

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, जोहानिन थियोलाॅजी, सत्र 20, मोक्ष, रखा हुआ, संरक्षण, मोक्ष पहले से ही है और अभी तक नहीं

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा जोहानिन धर्मशास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 20 है, उद्धार, रखा जाना, संरक्षण। उद्धार पहले से ही है और अभी तक नहीं।

जोहानिन धर्मशास्त्र पर हमारे अंतिम व्याख्यान के लिए, आइए हम प्रभु की ओर देखें। दयालु पिता, आपकी कृपा के लिए धन्यवाद जो हमें बचाता है, हमें रखता है, हमें उपहार देता है, हमें आपकी सेवा में उपयोग करता है और हमें सुरक्षित घर ले जाएगा। हम आपके सामने झुकते हैं, हम आपको महिमा देते हैं, हम आपसे हमें फिर से सिखाने के लिए कहते हैं, यीशु के नाम में, आमीन।

इस बार उद्धार सुरक्षित रखा गया है। परमेश्वर के लोगों को सुरक्षित रखा गया है, उन्हें सुरक्षित रखा गया है। हमने इसे जॉन 6 में कई बार देखा है, मुझे कम से कम इसे पढ़ने की ज़रूरत है और मैं उन हिस्सों पर ज़ोर दूंगा।

यूहन्ना 6:37, जो कुछ पिता मुझे देता है, वह सब मेरे पास आएगा, और जो कुछ मेरे पास आएगा, मैं उसे कभी न निकालूंगा। यीशु हमें अलग नहीं करेगा; वह हमें अपने परिवार से बाहर नहीं निकालेगा, और जब हम विश्वास के द्वारा अनुग्रह से उसके पास आ गए हैं, तब वह हमें अस्वीकार नहीं करेगा। जिसने मुझे भेजा है, उसकी यही इच्छा है, यूहन्ना 6 की आयत 39, कि जो कुछ उसने मुझे दिया है, उसमें से मैं कुछ न खोऊं।

यीशु अंत तक चुने हुए लोगों को बचाए रखेगा लेकिन अंतिम दिन उसे जीवित कर देगा। यह भाषा परमेश्वर के लोगों की सामूहिक भाषा है जिसमें नपुंसक शब्द का प्रयोग किया गया है। पद 40 में, यह मेरे पिता की इच्छा है कि जो कोई भी पुत्र को देखता है और उस पर विश्वास करता है, उसे अब अनन्त जीवन मिले और मैं उसे अंतिम दिन जीवित कर दूंगा।

फिर यीशु परमेश्वर के लोगों की रक्षा करता है। जैसा कि मैंने पिछले व्याख्यान में कहा था, एक पूर्ण बाइबिल प्रस्तुति देने के लिए, हम कहेंगे कि संरक्षण त्रिदेवों, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का कार्य है। इस स्थान पर, यह केवल पुत्र ही है जो हमें रखता है और अंतिम दिन हमें जीवित करता है।

इसे भी कई बार दोहराया है, इसलिए दोहराव के माध्यम से, मेरी भेड़ें मेरी आवाज़ सुनती हैं, यीशु ने कहा, और मैं उन्हें जानता हूँ और वे मेरा अनुसरण करते हैं। मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ। थॉमस श्राइनर ने मुझे क्रिस्टोफर मॉर्गन की B&H ब्रूमन और होलमैन श्रृंखला, थियोलाॅजी फॉर द पीपल ऑफ गॉड के हिस्से के रूप में मोक्ष पर एक पुस्तक दिखाई।

श्राइनर ने जोर दिया, और मैंने पहले इस पर पर्याप्त जोर नहीं दिया था, उन्होंने मुझे सिखाया कि अनंत जीवन का अर्थ अपने आप में है; यह संरक्षण का शब्द है। यह एक ऐसा जीवन है जो कभी खत्म नहीं होगा। मैं उन्हें अनंत जीवन देता हूँ, और वे कभी नष्ट नहीं होंगे।

इस शाश्वत सुरक्षा, भेड़ों के संरक्षण का एक मजबूत स्पष्ट कथन, और कोई भी उन्हें मेरे हाथ से नहीं छीनेगा। वह हमें अपने हाथ से निकालने के छोटे प्रयासों को छिपाने के लिए कठोर भाषा का उपयोग करता है। ओह हाँ, लेकिन मैं खुद को उसके हाथ से निकाल सकता हूँ।

यीशु ने बस इतना ही कहा कि वे कभी नष्ट नहीं होंगे। तुम खुद को उसके हाथ से नहीं छुड़ा सकते। मेरे पिता, जिन्होंने उन्हें मुझे दिया है, सभी से महान हैं।

कोई भी उन्हें मेरे पिता के हाथ से नहीं छीन सकता। हम बेटे के हाथ में हैं, हम पिता के हाथ में हैं, मैं और पिता ईश्वर के लोगों को सुरक्षित रखने के हमारे दिव्य कार्य में एक हैं। और फिर हमने इन पर गौर नहीं किया है, तो चलिए ऐसा करते हैं।

यूहन्ना 17. यूहन्ना 17 में, यीशु कई बार सांत्वना के शब्द कहते हैं, जिसके द्वारा वह अपने लोगों को आश्वस्त करते हैं जिनके लिए वह प्रार्थना करते हैं कि वे अंततः बचाए जाएँगे। यूहन्ना 17:11 और 12.

मैं अब इस दुनिया में नहीं हूँ। यह फिर से है। यीशु इस दुनिया में हैं, क्रूस की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन वे इतने दृढ़ निश्चयी हैं और पिता की इच्छा पूरी करने और उनकी योजना को पूरा करने पर इतने केंद्रित हैं कि वे वास्तव में इसे स्वर्ग में पिता के साथ वापस होने के दृष्टिकोण से देखते हैं।

मैं अब दुनिया में नहीं हूँ, लेकिन वे लोग दुनिया में हैं, जिन्हें पिता ने पुत्र को दिया, परमेश्वर के लोग। और मैं आपके पास आ रहा हूँ, पवित्र पिता। खैर, यह बात है।

वह वास्तव में अभी वहाँ नहीं है, लेकिन वह आ रहा है। इसलिए, वह उद्देश्यपूर्ण कार्य और पूर्ण किए गए कार्य के बीच झूलता रहता है। पवित्र पिता, उन्हें अपने नाम में रखें, जहाँ नाम व्यक्ति के लिए खड़ा है।

उन्हें अपने में रख। अपनी शक्ति से उन्हें रख। अपना नाम जो तूने मुझे दिया है, कि वे एक हों जैसे हम एक हैं।

हे पिता, उनकी रक्षा करो। उनकी रक्षा करो। यीशु परमेश्वर के लोगों की रक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।

जब मैं उनके साथ था, तो मैंने उन्हें तेरे उस नाम से जो तूने मुझे दिया है, सुरक्षित रखा। मैंने उनकी रक्षा की, और विनाश के पुत्र को छोड़ कर उनमें से एक भी नष्ट नहीं हुआ, ताकि पवित्र शास्त्र की बात पूरी हो। अपवाद नियम को सिद्ध करता है।

और मुझे एंड्रियास कोस्टेनबर्गर , *द थियोलाॅजी ऑफ जॉन्स गॉस्पेल एंड लेटर्स द्वारा याद दिलाया गया* कि वह मेरे अपने निष्कर्ष से सहमत है। यहूदा का कभी पुनर्जन्म नहीं हुआ। यहूदा को कभी बचाया नहीं गया।

इसलिए, उसे मुक्ति नहीं मिली और उसने इसे खो दिया। उसे मुक्ति नहीं मिली। ऐसा प्रतीत होता है कि उसे मुक्ति मिली थी, लेकिन अध्याय 12 में, जहाँ यीशु का अभिषेक किया जाता है, यहूदा ने इस पर आपत्ति जताई।

ये पैसा, ये मरहम गरीबों को बेचा जाना चाहिए था, बेचा जाना चाहिए था, और पैसा गरीबों को दिया जाना चाहिए था। बारह, पाँच। उसने ये इसलिए नहीं कहा क्योंकि उसे गरीबों की परवाह थी, बल्कि इसलिए क्योंकि वो एक चोर था और पैसे की थैली उसके पास थी।

वह खुद की मदद करता था। यह एक प्रगतिशील अपूर्णता है। यह उसकी आदत थी, उसका रिवाज था, जो उसमें डाला जाता था।

वह चोर नहीं है जो चोरी करता है और फिर पछताता है, यहाँ तक कि बार-बार भी। चोरी करना उसकी आदत थी। और निश्चित रूप से, उसने यह काम छिपकर किया क्योंकि मैथ्यू एक भूतपूर्व कर संग्रहकर्ता था।

मैथ्यू या तो यहूदा का गला घोट देता या फिर यरूशलेम के पागलखाने में जाकर गिर जाता अगर उसे पता होता कि पैसे की थैली रखने वाला चोर है। यहूदा का कभी पुनर्जन्म नहीं हुआ। उसने भूमिका निभाई, लेकिन वह वास्तव में शब्द के पूर्ण आध्यात्मिक अर्थ में शिष्यों में से एक नहीं था।

यूहन्ना 17, 15. हे पिता, यीशु प्रार्थना करता है, मैं तुझ से यह नहीं कहता कि तू उन्हें जगत से उठा ले, परन्तु यह कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख। शैतान को शैतान, इब्लीस, इस जगत का परमेश्वर, इस जगत का शासक, और दुष्ट कहा जाता है।

यीशु प्रार्थना करते हैं कि पिता परमेश्वर के लोगों को दुष्ट से बचाए रखें। उस प्रार्थना का उत्तर दिया जाएगा। और हम 24 में एक और ऐसी ही प्रार्थना देखते हैं, हालाँकि यह नकारात्मक के विरोध के बजाय सकारात्मक पर जोर देती है।

क्योंकि अब यीशु कहते हैं, पिता, मैं चाहता हूँ कि जिन्हें तूने मुझे दिया है वे भी जहाँ मैं हूँ, मेरे साथ रहें। यीशु खुद को स्वर्ग में पिता के साथ महिमा में वापस देखता है ताकि वह उस महिमा को देख सके जो तूने मुझे दी है क्योंकि तूने मुझे संसार की नींव रखने से पहले प्यार किया है। यीशु प्रार्थना करता है कि उसके लोग यीशु और पिता के साथ रहने के लिए स्वर्ग में पहुँचें।

पिता अपने बेटे की उस प्रार्थना को अस्वीकार नहीं करेंगे। उद्धार का रखा जाना संरक्षण की बात करता है। यीशु अंतिम दिन अपने लोगों को जीवित करेंगे, यूहन्ना 6. यीशु और पिता भेड़ों को सुरक्षित रखते हैं, यूहन्ना 10.

तीन बार की महायाजकीय प्रार्थना में प्रभु यीशु में विश्वासियों के अंतिम उद्धार, रक्षा और संरक्षण के लिए प्रार्थना शामिल है। अंत में, उद्धार पहले से ही है और अभी तक नहीं है। यह शायद नए नियम में सबसे महत्वपूर्ण युगांतशास्त्रीय सत्य है।

पुराने नियम की महान भविष्यवाणियाँ आंशिक रूप से वास्तविक रूप से पूरी हो चुकी हैं। लेकिन युग का अंत नहीं आया है। वे भविष्यवाणियाँ अपने पूर्ण और अंतिम अर्थ में पूरी नहीं हुई हैं।

हमने इसे पहले ही देखा है और अभी तक दो समय की कहावतों के साथ नहीं। एक समय आ रहा है जब लोग न तो सामरिया में गेरिजिम में और न ही यरूशलेम में सिव्योन पर्वत पर आराधना करेंगे। अब प्रेरितों के काम की पुस्तक में, वे वहीं आराधना करते हैं जहाँ वे थे।

उन्हें अब यरूशलेम जाने की ज़रूरत नहीं थी, और सामरी उपासना शुरू से ही धर्मत्यागी थी। लेकिन दूसरी ओर, एक समय आ रहा था, और वह अब आ गया है।

जब सच्चे उपासक पिता की आराधना आत्मा और सच्चाई से करेंगे जैसे एक सामरी स्त्री करती है। इसलिए, समय की बातें पहले से ही और अभी तक नहीं की ओर इशारा करती हैं। वर्तमान में साकार की गई पूर्तियाँ अभी और अधिक पूर्ण रूप से साकार की जानी हैं।

दूसरा अध्याय पाँच में है। समय आ रहा है, और यह अब यहाँ है जब मृतकों को पुनर्जीवित किया जाएगा, जो जॉन के शब्दों के अर्थ को संक्षेप में प्रस्तुत करता है। एक समय आ रहा है, और यह यहाँ नहीं है जब जो लोग अपनी कब्रों में हैं वे मनुष्य के पुत्र की आवाज़ सुनेंगे और बाहर आएँगे।

अंतिम बातों से संबंधित चार सत्य पहले से ही हैं और अभी तक नहीं हैं। उद्धार और न्याय, पुनरुत्थान, दूसरा आगमन, महिमा, उद्धार और न्याय। हमने यूहन्ना 3:17 और 18 को कई बार पढ़ा है।

यूहन्ना 3:16 के अनुसार, क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा कि जगत पर दण्ड की आज्ञा दे परन्तु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए। जो कोई उस पर विश्वास करता है, वह दोषी नहीं ठहरता। जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं करता, वह दोषी ठहर चुका।

मुझे लगता है कि मैंने इसे थोड़ा गड़बड़ कर दिया। अच्छा नहीं, बिलकुल भी अच्छा नहीं। भगवान ने अपने बेटे को दुनिया में दुनिया की निंदा करने के लिए नहीं भेजा, बल्कि उसके माध्यम से दुनिया को बचाने के लिए भेजा।

यूहन्ना 3:18 में लिखा है, "जो कोई उस पर विश्वास करता है, वह दोषी नहीं ठहराया जाता। परन्तु जो कोई विश्वास नहीं करता, वह दोषी ठहरा चुका है।" यहाँ "पहले से" शब्द का प्रयोग किया गया है, क्योंकि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया है।

उद्धार और न्याय यीशु मसीह के साथ व्यक्ति के रिश्ते पर निर्भर करता है। कोई यह जान सकता है कि वह दोषी नहीं है और न ही दोषी ठहराया जाएगा, या जो अस्वीकारकर्ता है वह दोषी है और

दोषी ठहराया जाएगा। एक बार फिर, यदि व्यक्ति मसीह में विश्वास करता है तो बाद के फैसले को बदला जा सकता है।

उद्धार और न्याय मौजूद हैं और, बेशक, अपने पूरे अर्थ में। पुनर्जीवित विश्वासियों के लिए नरक और नया स्वर्ग और नई पृथ्वी प्रतीक्षा कर रही है। लेकिन यूहन्ना 3:17 और 18 अभी तक यह नहीं दिखाते हैं।

यूहन्ना 12:25 कम से कम अनन्त जीवन की अभी तक की बात नहीं बताता। जो कोई अपने प्राण को प्रिय जानता है, वह उसे खो देता है। यूहन्ना 12:25 जो कोई इस संसार में अपने प्राण को अप्रिय जानता है, वह उसे अनन्त जीवन के लिए सुरक्षित रखेगा।

वह अनन्त जीवन अगली दुनिया में है। मोक्ष का भविष्य में संदर्भ है। शायद जो कोई भी अपने जीवन से प्यार करता है, वह इसे खो देता है, इसका मतलब है कि हम इसे खो देंगे।

शायद संदर्भ में भविष्य का वर्तमान। यानी, हम इसे अंतिम दिन और उसके बाद खो देंगे। हमने पहले ही देखा है कि पुनरुत्थान पहले से ही है और अभी तक नहीं हुआ है।

पुनरुत्थान की बात पूरी हो चुकी है। यूहन्ना 5:24, 25 जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, वह अनन्त जीवन पा चुका है। उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।

एक समय आ रहा है, और अब वह भाषा पूरी हो चुकी है, जब मृतक परमेश्वर के पुत्र की आवाज़ सुनेंगे, और जो सुनेंगे वे जीवित रहेंगे। यह उन लोगों के लिए एक आध्यात्मिक पुनरुत्थान है जो यीशु में विश्वास करते हैं। और बेशक, जैसा कि हमने कई बार कहा, यूहन्ना 5:28-29 एक भौतिक पुनरुत्थान की बात करता है, अभी तक एक भविष्यवादी पुनरुत्थान नहीं।

वह समय आ रहा है जब कब्रों में पड़े सभी लोग बाहर आएँगे। कुछ लोग जीवन के पुनरुत्थान के लिए, कुछ लोग न्याय के पुनरुत्थान के लिए, जिसका इस संदर्भ में अर्थ है निंदा। यह कुछ ऐसा है जिसे हमने दूसरे आगमन के रूप में नहीं समझा।

मेरा सिद्धांत यह है कि अंतिम बातों का हर मुख्य पहलू पूरा हो चुका है और अभी भी एक बड़े तरीके से पूरा होना बाकी है। दूसरे आगमन का पहले से ही पहलू वास्तव में उपेक्षित है, यह जॉन 14 में श्लोक 23 में छिपा हुआ है। अभी तक आसान नहीं है, अपने दिलों को परेशान मत होने दो।

यूहन्ना 14:1 परमेश्वर पर विश्वास रखो मुझ पर भी विश्वास रखो मेरे पिता के घर या बहुत से कमरों में यदि ऐसा न होता, तो जो कुछ मैं ने तुम से कहा है, वह मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ, और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूँ, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा, कि जहां मैं रहूँ वहां तुम भी रहो। यीशु स्वर्ग का चित्रण करते हैं यीशु पिता के साथ होने का चित्रण स्वर्ग में एक भवन के रूप में करते हैं जिसमें कई कमरे हैं, और उन कमरों में से एक पर आपके विश्वासी का नाम लिखा हुआ है। यह अभी भी सुनिश्चित नहीं है। यीशु हमारे लिए जगह तैयार करने गए हैं। इस सारी कल्पना का अर्थ यह है कि हम परमेश्वर पिता के हैं। वह हमसे प्रेम

करते हैं, और वह हमारा स्वागत करेंगे। जब यीशु फिर से आएं, तो वह अपने साथ रहने के लिए हमें अपनी उपस्थिति में स्वागत करेंगे।

मुझे नहीं लगता कि हम एक वास्तविक स्वर्गीय घर की बात कर रहे हैं, बल्कि हम एक वास्तविक परमेश्वर पिता की बात कर रहे हैं जो अपने लोगों से प्यार करता है और चाहता है कि वे उसकी बहुत ही आनंदमय उपस्थिति में रहें। लेकिन दूसरा पहलू, दूसरे आगमन का पहले से मौजूद पहलू, 14:23 में है। वास्तव में, यह पिता और पुत्र दोनों हैं जो एक अर्थ में आते हैं। यूहन्ना 14 का 22 यहूदा, इस्करियोती नहीं मैंने आपको पहले ही बता दिया था कि यह आदमी बहुत खुश है कि यह बाइबल में है, कहीं ऐसा न हो कि वह यहूदा के साथ भ्रमित हो जाए जो इस्करियोती का पुत्र था, उससे कहा, हे प्रभु, यह कैसे हुआ कि आप अपने आप को हम पर प्रकट करते हैं और दुनिया पर नहीं? यीशु ने उसे उत्तर दिया, यदि कोई मुझ से प्रेम रखता है, तो वह मेरी बात मानेगा, और मेरा पिता उससे प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आएँगे और उसके साथ वास करेंगे।

14 एक और दो और तीन यीशु परमेश्वर के लोगों के लिए पिता के स्वर्गीय घर में कमरे तैयार कर रहे हैं। 14:23 यीशु से प्रेम करने का परिणाम यह होता है कि पिता और पुत्र अभी हमारे हृदय और जीवन में घर पर हैं। यदि कोई मुझसे प्रेम करता है तो वह मेरी बात मानेगा, मेरी आज्ञा मानेगा और मेरा पिता उससे प्रेम करेगा और हम पिता और पुत्र उसके पास आएँगे और अभी उसके साथ अपना घर बनाएँगे।

इस अर्थ में, दूसरा आगमन पहले से ही है, निश्चित रूप से युग के अंत में एक शाब्दिक, भौतिक दूसरे आगमन को नकारना नहीं है, बल्कि पिता और पुत्र के साथ एक वास्तविक आध्यात्मिक संगति सिखाना है, जैसे कि जो विश्वासी प्रभु यीशु से प्रेम करते हैं, डीए कार्सन की पुस्तक द डिफिकल्ट डॉक्ट्रिन ऑफ द लव ऑफ गॉड में, वह इसे केवल कुछ विश्वासियों के लिए बनाना चाहते हैं। मैं इसके बारे में निश्चित नहीं हूँ, लेकिन मैं कहूँगा, निश्चित रूप से सभी विश्वासियों के लिए खुला है, यह निमंत्रण है कि वे यीशु से गहराई से प्रेम करें और उनकी आज्ञा का पालन करें, और इसका परिणाम पिता और पुत्र के साथ मधुर संगति है, और वह संगति उनके आने और हमारे साथ निवास करने, हमारे साथ अपना घर बनाने की भाषा में संप्रेषित होती है। सालों पहले मेरा एक प्यारा छात्र था, लंदन से स्टुअर्ट कैशमैन; मैंने स्टुअर्ट से कई चीजें सीखीं

यह फेसबुक पर उनकी पत्नी के बयान के साथ समाप्त होता है, कल या परसों, स्टुअर्ट ने कई सालों तक बीमारी से जूझते हुए, हमेशा एक मधुर रवैये के साथ, और उसने कहा, मुझे आपको यह बताते हुए दुख हो रहा है, मेरे प्यारे, मेरे प्यारे पति की मृत्यु हो गई और वह उस उद्धारकर्ता के पास चले गए, जिसे वह बहुत प्यार करते थे, आमीन। यदि आप उस आदमी को जानते हैं, तो यह सच है। कॉविनेंट सेमिनरी में मेरे पूर्व सहयोगियों में से एक, डेविड कैलहॉन, और मैं साथ-साथ चलते थे, और हमने संगति का एक शानदार समय बिताया।

हम तालाब के आस-पास उन हंसों को देखते थे, और दूर से, हम खुद को लगभग दो सेकंड देते थे, ठीक है, अब दूर देखते हैं, और हम में से प्रत्येक अनुमान लगाता था कि कितने हंस हैं। यह बहुत कठिन है; उनके पास हमेशा हमारे अनुमान से ज़्यादा हंस होते थे, इसलिए मैं पाँच या उससे ज़्यादा जोड़ देता था और फिर भी बहुत निश्चित हो जाता था; वैसे भी, हमने खूब मौज-मस्ती

की। वैसे भी, वहाँ एक बुजुर्ग था, देखो कौन बात कर रहा है, बुजुर्ग हिंदू आदमी, बहुत महानगरीय, उदार हिंदू, मैं यह भी जोड़ सकता हूँ, बहुत मिलनसार, अपने छोटे कुत्ते के साथ, जो ऐसा लग रहा था कि वह किसी भी क्षण मरने वाला था, वैसे भी, हम उसके दोस्त बन गए, और हमने उसके साथ थोड़ी बहुत प्रभु के बारे में बात की, लेकिन स्टुअर्ट कैशमैन उसका दोस्त बन गया और उसके साथ प्रभु के बारे में बहुत सारी बातें कीं, बिना आक्रामक हुए, बस एक उल्लेखनीय उपहार, और उसने अपने उपहार का उपयोग पापियों से प्रेम करने के लिए किया।

यह एक अद्भुत बात है, दूसरों से प्रेम करने की क्षमता, उन्हें अपने घर जैसा महसूस कराना, और पिता और पुत्र उन विश्वासियों के लिए विशेष संगति का वादा करते हैं जो यीशु से प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं का पालन करना अपना दायित्व समझते हैं। इस प्रकार, मैं यूहन्ना 14:23 में पहले से ही दूसरे आगमन को देखता हूँ, दूसरा आगमन, दूसरे शब्दों में, हमारे जीवन में पिता और पुत्र की उपस्थिति और संगति का पहलू, और दूसरा आगमन जिसका शाब्दिक अर्थ अभी तक आयत एक से तीन में नहीं बताया गया है, जहाँ यीशु यूहन्ना 14:3 में स्पष्ट रूप से कहते हैं, मैं फिर आऊँगा। अंत में, न केवल पहले से ही उद्धार के लिए और अभी तक नहीं, बल्कि अंत में, हमारे पाठ्यक्रम के लिए, हम महिमा को देखते हैं।

आप कहते हैं, निश्चित रूप से, महिमा केवल भविष्य है; ठीक है, महिमा मुख्य रूप से भविष्य है, लेकिन इसने मुझे वर्षों से उलझन में डाल दिया है; मैं बाइबल में विश्वास करता हूँ; मेरी समस्या यह है कि मैं हमेशा बाइबल को नहीं समझ पाता। दूसरा कुरिन्थियों, मुझे पता है कि हम यहाँ पॉल के साथ काम कर रहे हैं, मैं महिमा के पहले से ही पहलू को दिखाना चाहता हूँ। दूसरा कुरिन्थियों 3, 18, और हम सभी खुले चेहरों के साथ प्रभु की महिमा को देखते हुए उसी छवि में बदल रहे हैं, शाब्दिक रूप से महिमा से महिमा तक, महिमा की एक डिग्री से दूसरी डिग्री तक।

क्योंकि यह प्रभु से आता है जो आत्मा है। पॉल सिखा रहे थे और सभी टिप्पणीकार जो इस विचार के खिलाफ पक्षपात नहीं करते हैं, कहते हैं कि वह विश्वासियों के बारे में सिखा रहे हैं जो अब महिमा के एक पहलू का आनंद ले रहे हैं, जैसे वे यीशु की ओर देखते हैं, जैसे वे प्रभु की महिमा को देखते हैं, जैसे वे यीशु की पूजा करते हैं, वे अब मसीह की छवि में बदल रहे हैं, महिमा की एक डिग्री से दूसरी डिग्री तक। और हाँ, पवित्र आत्मा एक भूमिका निभाता है, पद के अंत में, कुछ लोग कहते हैं, और मुझे लगता है कि यह शायद सही है, उदाहरण के लिए, सिंक्लेयर फर्ग्यूसन, पवित्र आत्मा पर अपनी पुस्तक में, यह वास्तव में प्रभु यीशु के बारे में बात कर रहा है, जो कार्यात्मक रूप से समतुल्य हो जाता है, ऑन्टोलॉजिकल रूप से भ्रमित नहीं होता है, जो कार्यात्मक रूप से पवित्र आत्मा के समतुल्य हो जाता है, वैसे भी, यह ईश्वर ही है जो विश्वासियों में इस प्रगतिशील पवित्रता का उत्पादन कर रहा है।

अगर बाइबल ऐसा नहीं कहती तो मैं कभी ऐसा नहीं कहता। यूहन्ना 17:22, आयत 20 से शुरू करते हुए, मैं सिर्फ उन्हीं के लिए नहीं माँगता, बल्कि उन लोगों के लिए भी जो उनके वचन के ज़रिए मुझ पर विश्वास करेंगे, कि वे सब एक हों, जैसे कि तुम, पिता मुझ में हो और मैं तुम में हूँ, कि वे भी हम में हों, ताकि दुनिया यकीन करे कि तुमने मुझे भेजा है। जो महिमा तुमने मुझे दी है, वह मैंने उन्हें दी है।

यह महिमा का एक पहलू है। यह कैसे हो सकता है, ये शिष्य, जो इतने संघर्षशील हैं, जो विश्वास नहीं करते, चौथे सुसमाचार में नहीं, बल्कि निश्चित रूप से मैथ्यू के सुसमाचार और ल्यूक के सुसमाचार में, बार-बार यीशु भविष्यवाणी करते हैं, उन्हें शास्त्रियों और फरीसियों के हाथों में सौंप दिया जाएगा, क्रूस पर चढ़ाया जाएगा, और तीसरे दिन फिर से जी उठेंगे, बार-बार, तीन या चार बार, और वे इसे स्वीकार नहीं कर सकते। ये लोग, उनके बारे में, यह कहा जा सकता है, आपने मुझे जो महिमा दी है, पिता, मैंने उन्हें दी है।

खैर, प्रभु की स्तुति करो। ईसाई जीवन में संघर्ष करने वाले हम साथियों के लिए आशा है। यह मेरे लिए अविश्वसनीय है, बिल्कुल अविश्वसनीय, कि वे भी एक हो सकते हैं जैसे हम एक हैं। महिमा की यह वर्तमान, प्रगतिशील, 2 कुरिन्थियों 3:18, धारणा परमेश्वर के लोगों के बीच बाइबिल की एकता पैदा करती है।

जो महिमा तूने मुझे दी है, वह मैंने उन्हें दी है, ताकि वे एक हों, जैसे हम, पिता और पुत्र, एक हैं। अंतिम धन्यवाद का हर मुख्य पहलू पहले से ही पूरा हो चुका है और अभी तक आंशिक रूप से पूरा नहीं हुआ है, जब यीशु फिर से आएगा, जब अंत आएगा, जिसमें महिमा भी शामिल है, तब और भी अधिक पूरा होगा। श्लोक 24, निश्चित रूप से, अंतिम महिमा की बात करता है।

पिता, मैं चाहता हूँ कि वे भी जिन्हें तूने मुझे दिया है, मेरे साथ रहें जहाँ मैं हूँ, ताकि वे मेरी महिमा को देख सकें जो तूने मुझे दी है क्योंकि तूने मुझे जगत की उत्पत्ति से पहले ही प्रेम किया। यीशु यहाँ प्रार्थना करते हैं कि विश्वासियों को अंततः महिमा मिलेगी। वह चाहते हैं कि वे पिता और पुत्र की उपस्थिति में रहें, ताकि मसीह की महिमा को देख सकें।

यह एक मध्यवर्ती महिमा है या यह अंतिम महिमा के साथ विलीन हो जाती है, मुझे यकीन नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से अभी तक नहीं है। इस प्रकार, हम फिर से देखते हैं कि उद्धार जॉन के सुसमाचार का एक महत्वपूर्ण पहलू है। पुराने नियम ने इसकी भविष्यवाणी की थी।

समय की कहावतें कभी-कभी कहती हैं कि समय आ गया है, इस कहावत के साथ कि अभी समय नहीं आया है कि पूजा स्थान से स्वतंत्र हो, यूहन्ना 4, मृतकों के पुनरुत्थान के लिए, यूहन्ना 5। उद्धार और न्याय पहले से ही मसीह के साथ किसी के रिश्ते पर आधारित हैं। और हो सकता है कि इन व्याख्यानों को सुनने वाला कोई व्यक्ति प्रभु को नहीं जानता हो। निश्चित रूप से आपने सुसमाचार को बार-बार सुना होगा।

हम अपने प्रभु परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोही हैं, जिन्होंने हमसे प्रेम किया और अपने पुत्र को उन सभी को बचाने के लिए दे दिया जो उन पर विश्वास करते हैं। यदि आपकी स्थिति ऐसी है, तो हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप अपने पापों से दूर हो जाएँ, मसीह पर भरोसा करें कि वह आपके स्थान पर मरा है, आपको अनन्त जीवन देने और आपके पापों को क्षमा करने के लिए फिर से जी उठा है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो यह आपके लिए और मेरे लिए भी एक खुशी का दिन होगा।



मैं जॉन के सुसमाचार पर इन व्याख्यानों से ऐसी बात सुनना पसंद करूंगा, जो सुसमाचार संदेश को साझा करने में बहुत स्पष्ट और दोहरावदार है। पुनरुत्थान पहले से ही पुनर्जन्म में है। यह अभी तक शरीर के वास्तविक पुनरुत्थान में नहीं है।

दूसरा आगमन पहले से ही इस अर्थ में है कि पिता और पुत्र आते हैं और उन विश्वासियों के जीवन में अपना घर बनाते हैं जो यीशु को अपने पूरे दिल से प्यार करते हैं और उसकी आज्ञा मानते हैं। लेकिन यह अभी भी अपनी पूर्णता में नहीं है। और यीशु फिर से आने और हमें पिता के स्वर्गीय घर में ले जाने का वादा करता है।

महिमा, चाहे जितनी भी आश्चर्यजनक लगे, एक अर्थ में पहले से ही है। लेकिन इसकी पूर्णता प्रतीक्षा कर रही है। हमारा प्रभु के साथ जाना या उनका हमें अपने साथ ले जाने के लिए आना।

इस प्रकार चौथे सुसमाचार और हमारे प्रभु यीशु मसीह में परमेश्वर के महान प्रेम पर व्याख्यान

समाप्त होता है। आमीन। यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा जोहानिन धर्मशास्त्र पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 20 है, उद्धार, रखा हुआ, संरक्षण। उद्धार पहले से ही है और अभी तक नहीं।